हम सेवक श्याम तुम्हारे | By Pradeep Sharma

कान्हा अब साथ निभाओ
विपदा है आन बचाओ
हम सेवक शयन तुम्हारे
हमको ना यूँ बिसराओ
के आ जाओ तुम्हारा कीर्तन है
भक्तो का निवेदन है

तेरे दर्शन के प्यासे मेरे दो नैना चंचल
तेरी राह तके सांवरिया ये नीर बहावे पल पल
अब तुम ही इन्हे समझाओ
अपना घर इन्हे बनाओ
हम सेवक शयन तुम्हारे
हमको ना यूँ बिसराओ
के आ जाओ तुम्हारा कीर्तन है
भक्तो का निवेदन है

इस पागल दिल की कान्हा अब क्या मैं तुम्हे बतलाऊँ
नहीं माने दिल दीवाना कैसे दिल को समझाऊं
अब तुम ही इन्हे समझाओ
अपना घर इन्हे बनाओ
हम सेवक शयन तुम्हारे
हमको ना यूँ बिसराओ
के आ जाओ तुम्हारा कीर्तन है
भक्तो का निवेदन है

अपने भक्तों की खातिर ये क्या क्या खेल रचाते
कभी नरसिंघ रूप दिखाते कभी राम रूप में आते
कीर्तन में कान्हा आये
भक्तों ने दर्शन पाए
तब प्यास बुझी नैनो की
हर दिल में श्याम समाये
के आते हैं श्याम तो आते हैं
दिल से जो बुलाते हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a5%87%e0%a4%b5%e0%a4%95-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-pradeep-sharma/